

निगृह्णीमि वयमेनम् MBh. 6, 6346. R. 5, 41, 10. Bhāg. P. 1, 16, 4. 5. 3, 2, 31. Daśak. in BENF. Chr. 192, 14. निग्राहयिष्येते (nicht vom caus.) 194, 17. ते न्यगृह्णन्त गोकुलानि सकृन्नशः MBh. 4, 999. द्विषा वा बलिनो रात्र्यव्य-भा वा महाबलाः । विनिग्राह्या यदि मया निग्राहयिष्यामि तानपि ॥ 33. — 7) Jmd daniederhalten, niederdrücken, bezwingen, zurückhalten, bän- digen, im Zaum halten: न चेत्त मम राजेन्द्र गृह्णीयान्मधुरं वचः । पथ्यं च भरतश्रेष्ठ निगृह्णीयां बलेन तम् ॥ MBh. 3, 608. 231. fg. 1, 7417. 4, 122. 6, 4726. अथार्थिकं त्रिभिर्न्यायैर्निगृह्णीयात्प्रयत्नतः । निराधनेन बन्धेन वि- विधेन वधेन च ॥ M. 8, 310. 130. 9, 308. 312. 11, 32. R. 1, 36, 21. तमेवाद्य भव राजा निगृह्य माम् 2, 34, 26. 3, 43, 7. निगृह्य तपसा मृत्युं भूतानां क्लि- काम्यया 16, 12. 17, 19. ग्रहीतुमिच्छन्निगृह्यात्मानम् Çāk. 16, 12. (Pferde) im Zaum halten, regieren: तिप्र मे रथमास्याप निगृह्णीष क्योत्तमान् MBh. 4, 1247. मनस् Ragh. 10, 24. Vedāntas. 3, 10. — 8) zurückhalten, unter- drücken, hemmen: अहं वर्षं निगृह्णाम्युत्स्रामि च Bhāg. 9, 19. सकृन्नोः क्षेपम् Suçr. 1, 236, 7. वेदनाम् MBh. 6, 5771. आत्मनो दुःखम् 3, 2913. R. 2, 21, 49. शोकम् 4, 6, 8. 9. Çāk. 58, 1. इच्छाम् 16, 12, v. l. क्रोधम् R. 3, 72, 2. कर्मम् 6, 99, 30. वाय्ववेगम् 4, 8, 19. Bhātr. 3, 6. Kumāras. 3, 69. Pañkāt. III, 238. Bhāg. P. 3, 12, 7. — Vgl. निगृह्य u. s. w. — caus. vom des. Jmd veranlassen, dass er zu unterdrücken den Wunsch hege: रामं मुनिः प्रीतमना महाते यशसि राज्ञो निनिघ्नयिष्यन् Bhātr. 2, 40.

— उपनि 1) niederdrücken auf: (अङ्गुलिषु) सर्वास्वङ्गुष्ठमुपनिगृह्णाति TS. 6, 1, 9, 5. — 2) in die Nähe bringen zu: उपैव यजमानं निगृह्णीत यो ऽस्य प्रियः स्यात् Ait. Br. 3, 19.

— प्रतिनि herauserschöpfen: आदित्यपात्रेण क्षाणकलशात्प्रतिनिगृह्णीते Çat. Br. 4, 3, 5, 6, 7.

— विनि 1) festhalten: शिरःसु विनिगृह्णीतान्योऽध्यामास MBh. 1, 4980. विनिगृह्य करीनश्चावयं च मम युध्यतः 3, 12170. — 2) zurückhalten, un- terdrücken, hemmen: वेदनां धीर्यादसक्तो विनिगृह्य ताम् MBh. 12, 83.

— संनि 1) daniederhalten, bezwingen, bändigen: त्रैलोक्यं संनिगृह्यास्मो- स्त्वां च MBh. 3, 14357. 15715. 1, 4990. Varāh. Brh. S. 52. 2. — 2) ergrei- fen, packen MBh. 2, 2328. — 3) zurückhalten, unterdrücken, hemmen: तेजस्तत्संनिगृह्यात् पुनरेवात्तरात्मनि MBh. 12, 9177.

— निम् in der Stelle: शक्रस्त्वमिति यो दैवैर्निगृहीतः क्लिप्तमवत् MBh. 13, 1998 fehlerhaft für निगृहीतः. — Vgl. निग्राह्य.

— परि 1) auf beiden Seiten anfassen: (कुम्भी) परिगृहीता AV. 11, 3, 15. परिगृह्णन्त्यामिण्ड्याभ्यामुखां परिगृह्णाति Kāt. Çr. 16, 3, 3. 26, 1, 12. 5, 14. मृत्पिण्डम् Çat. Br. 14, 1, 2, 9. — 2) umfassen, umfassen; umgeben, umringen: परिगृह्य वै योषा वृषाणं शते Çat. Br. 1, 2, 5, 13. 6. 2, 5, 1, 17. इमामद्भिः परिगृहीताम् Khānd. Up. 3, 11, 6. नैनमूर्ध्वं न तिर्यञ्चं न मध्ये परिं त्रयम् VS. 32, 2. परिगृहीतममृतेन सर्वम् 34, 4. 17, 55. अमृतं सत्येन परिगृहीतम् Çat. Br. 14, 8, 6. 2, 2, 1, 3. मय्युक्तं तं परिं गृह्णामि AV. 12, 2, 33. Ait. Br. 1, 16. 8, 25. TS. 1, 3, 2, 4. TBr. 1, 7, 6, 1. — तं पतन्तम- भिद्रुत्य परिगृह्यात् MBh. 13, 1919. 2, 1817. 3, 10990. 10, 550. Sāv. 3, 101. दश बालान् — भुजाभ्यां परिगृह्य MBh. 1, 4983. 6287. 6, 4868. R. 2, 32, 69. 3, 33, 30. 74, 21. 5, 13, 49. Bhāg. P. 7, 2, 35. बाहुना परिगृह्यात् दक्षिणेन शिरोधराम् MBh. 1, 6232. परिगृह्य च वैदेहीं वामेनाङ्गेन R. 3, 37, 27. (शेषः) अनन्तभोगिः परिगृह्य सर्वम् MBh. 1, 1356. (तम्) पर्यगृह्णन्त गन्धर्वाः परिवार्य समन्ततः 3, 14919. 6, 627. BENF. Chr. 36, 13. Suçr. 4, 101, 6. 260, 18. ein-

schlagen in, einwickeln in: अन्नान्स कते परिगृह्य वाससा MBh. 4, 213. — 3) einfassen, einfriedigen: वेदिम् AV. 12, 1, 13. Çat. Br. 1, 2, 5, 12. 2, 6, 1, 12. Kauç. 137. TS. 1, 6, 9, 4. 2, 6, 4, 3. Kāt. Çr. 2, 6, 25; vgl. VS. 1, 27. (प्रज्ञाः) अग्निष्टोमेनैव पर्यगृह्णन्तासां परिगृहीतानामश्चतुरो ऽत्यप्रवत TS. 7, 1, 1, 2. न्यविशत ततः सर्वं परिगृह्य सरस्वतीम् sie schlugen ihr Lager längs beiden Ufern der S. auf (BENFEY: übersetzen) MBh. in BENF. Chr. 20, 24. In der Grammi. von der doppelten Stellung eines Wortes vor und nach einem andern (s. परिग्रह) RV. Prāt. 10, 7. UPAL. 4, 2, 18. — 4) auffangen: स्कन्मात्रं च तच्छुक्रं श्रुवेण परिगृह्य सः MBh. 13, 4118. परिगृह्य — विद्युद्भूयां महाधोरामाकाशे मूर्त्तौ गदाम् 3, 11723. — 5) um- legen, sich kleiden in, anlegen (ein Kleid, einen Schmuck): स्वपिण्डे प्रु- द्धमाकाशं परिगृह्य समन्ततः MBh. 13, 6330. देवादिशरीरं परिगृह्य Sch. zu Sāmkejak. 42 (p. 139). कार्त्तव्यसमलंकारं परिगृह्य च नित्यशः MBh. 13, 2594. — 6) ergreifen, halten, tragen: रथं परिगृह्य महाद्विषः । अतिचि- क्षेप वेगेन MBh. 7, 1170. हस्तेन हस्तं परिगृह्य Ragh. 7, 18. कुशान्सञ्चयेन परिगृह्य Jāg. 1, 283. शिरस्यर्क्षं परिगृह्य Bhāg. P. 9, 10, 13. MBh. 13, 7772. mit sich nehmen, परिगृह्य in Begleitung von, mit: जगामैव तदा कुक्षी गान्धारो परिगृह्य ह MBh. 13, 449. 3, 10964. R. 3, 62, 33. Bhāg. P. 5, 13, 14. P. 1, 4, 63, Sch. 5, 3, 99, Sch. — 7) in Besitz bekommen; bemei- stern: अकृमिद्धि पितृपरिं मेधामृतस्यं जघ्ने RV. 8, 6, 10. AV. 12, 3, 16. 19, 31, 5. स्वर्गः परिगृहीतश्च स्वधर्मं परिगृह्णीत R. 4, 24, 10. Varāh. Brh. S. 60, 8. प्रुक्षेयं चित्परिं माया ग्रन्थणाः RV. 5, 31, 7. परिगृहीता वा दृ- तस्य यज्ञः परिगृहीता देवताः Ait. Br. 1, 3. TS. 1, 6, 2, 1. TBr. 1, 1, 10, 2. Çat. Br. 1, 6, 2, 4. 3, 1, 3, 1. überwältigen, gefangen nehmen: कुञ्जरस्येव संग्रामे परिगृह्याङ्गुष्ठग्रहम् । ब्राह्मणैर्विप्रकीनस्य तत्रस्य क्षीयते वलम् ॥ MBh. 3, 978. — 8) entgegennehmen, empfangen, annehmen: पाद्यं परि- गृह्णीतेदमासं च Draup. 4, 14. सप्रणामं परिगृह्य (फलानि) Çāk. 28. 10. 73, 15, v. l. Bhāg. P. 8, 8, 17. — 9) (Speise) in sich aufnehmen Çat. Br. 14, 9, 2, 14. — 10) auf sich nehmen, übernehmen: परिगृह्णाण गते सकृत्कार्त्तवां त्वमतिमुक्तलताचरित मयिं das Verfahren der Ait. M. 1, 1, 1. — 11) Jmd aufnehmen, freundlich empfangen: तं दनुश्च दनायुश्च मातेव च पितेव च परिगृह्णन्तुः Çat. Br. 1, 6, 2, 9. मातापितृभ्यामुत्सृष्टम् — यं पुत्रं परिगृह्णी- यात् M. 9, 171. स्तुया इव स धर्मात्मा भगिनीरिव चानुज्ञाः । यथा इद्वितर- श्चैव परिगृह्य MBh. 1, 4429. (माम्) परिगृह्णाभिषूय 3, 251. R. 4, 4, 8. 42, 10. Mālav. 11, 17. Pañkāt. 192, 14. परिगृह्य महागजम् lieblosen (?) MBh. 7, 1169. — 12) zur Frau nehmen: इदमुपनतमेवं त्रयमाज्ञाष्टकानि प्रथम- परिगृहीतं न वेति व्यवस्यन् Çāk. 113. परिगृह्णन्तु तां कन्याम् Pañkāt. V, 84. — 13) beistehen (Jmd unter die Arme greifen; vgl. oben unter 2. MBh. 13, 1919 u. s. w.): अतिमात्रभामुत्वं पुष्यति भानुः परिग्रहादङ्गः । अघिगच्छति माह्वमानं चन्द्रा ऽपि निशापरिगृहीतः ॥ Mālav. 12. — 14) sich richten nach, berücksichtigen, befolgen: वहुलं परिगृह्णीयात्तानिदैधे नराधिपः M. 8, 73. विहृपकवचनं परिगृह्य Vikr. 40, 1. स्वमर्थम् MBh. 12, 5018. वागर्थं परिगृह्य (Lassen: inhibere) मोक्षपदत्रो ध्यापति निर्मत्सराः Dhūrtas. 83, 9. — 15) übertreffen: ज्ञानेन परिगृह्य तान् M. 2, 151. Prab. 103, 18. — Vgl. परिग्रह u. s. w.

— संपरि 1) entgegennehmen, empfangen: पादुके R. 2, 112, 29. — 2) Jmd freundlich aufnehmen MBh. 4, 2443. — 3) vollbringen: विगृह्णान- नमित्येव यात्रां संपरिगृह्य च MBh. 12, 2663. — 4) vollständig fassen,